



# KHAN GLOBAL STUDIES

The Most Trusted Learning Platform

**UPPSC – 2023**

**LIVE CLASSES**



**BY-AMARENDRA SRIVASTAV SIR**



Ashoka (अशोक)

प्रश्न भाग - - -

Ashokan Inscription (अशोक का अभिलेख)

- Inspired (प्रभावित) :- Darius-I / Dava-I  
(डारियस-1 / दारा-1)
- Discovered (खोजकर्ता) :- टी. एफ. थलर  
1750 A.D.
- Decode / Read (पढ़ा) :- जेम्स प्रिंसेप (James Prinsep)  
1837 A.D.



↳ Language & script: Prakrit (प्राकृत) ✓  
(भाषा और लिपि) | Brahmi (ब्राह्मी) ✓ India.  
| Aramaic (अरामाईक) ✓  
| Kharoshthi (खरोष्ठी) ✓  
| Greek (ग्रीक)

x Note:- अशोक पहला भारतीय शासक था जिसने प्रजा को संबोधित करने के लिए लेख लिखवाया।



## \* Type of Inscription (अभिलेख के प्रकार)

→ शिला लेख (Rock Edicts)

Rock Edict  
पथार लेख



→ स्तंभ लेख (Pillar Edicts)

→ गुहा लेख (Cave Edicts)

→ गुफा में दीवार पर  
लिखा गया



→ स्तंभ  
लेख

## शिलालेख (Rock Edicts)

⇒ बृहद् शिलालेख  
(Major Rock Edicts)

लघु शिलालेख



## बृहद शिला लेख (Major Rock Edicts)

↳ Total Article :- 14  
(फुल लेख)

↳ कुल  $\Rightarrow$  8 स्थान से प्राप्त

### ① Shahbajgarhi (शाहबाजगढ़ी)

↳ पेशावर, पाकिस्तान  
(Peshawar, Pakistan)

↳ लिपि (Script) :- Kharoshthi (खरोष्ठी)

② Manghehra (मानसैहरा)

↳ Hazara, Pakistan  
(हजारा, पाकिस्तान)  
↳ script :- Kharoshi

③ Sopara (सोपारा)

↳ Maharashtra  
↳ script :- Brahmi (ब्राह्मी)



④ Girnar (गिरनार)  
↳ Gujarat (गुजरात)  
↳ script :- Brahmi

⑤ Dhauli (धौली)  
↳ Puri, Odisha.  
↳ script :- Brahmi



⑥ Jangam (जंगम)

↳ Ganjam, Odisha.

↳ Script :- Brahmi

⑦ Kalsi (कालसी)

↳ U.K. - देहरादून

↳ Script :- Brahmi



⑧ Yerragudi (येरीगुडी)

↳ Andhra Pradesh.

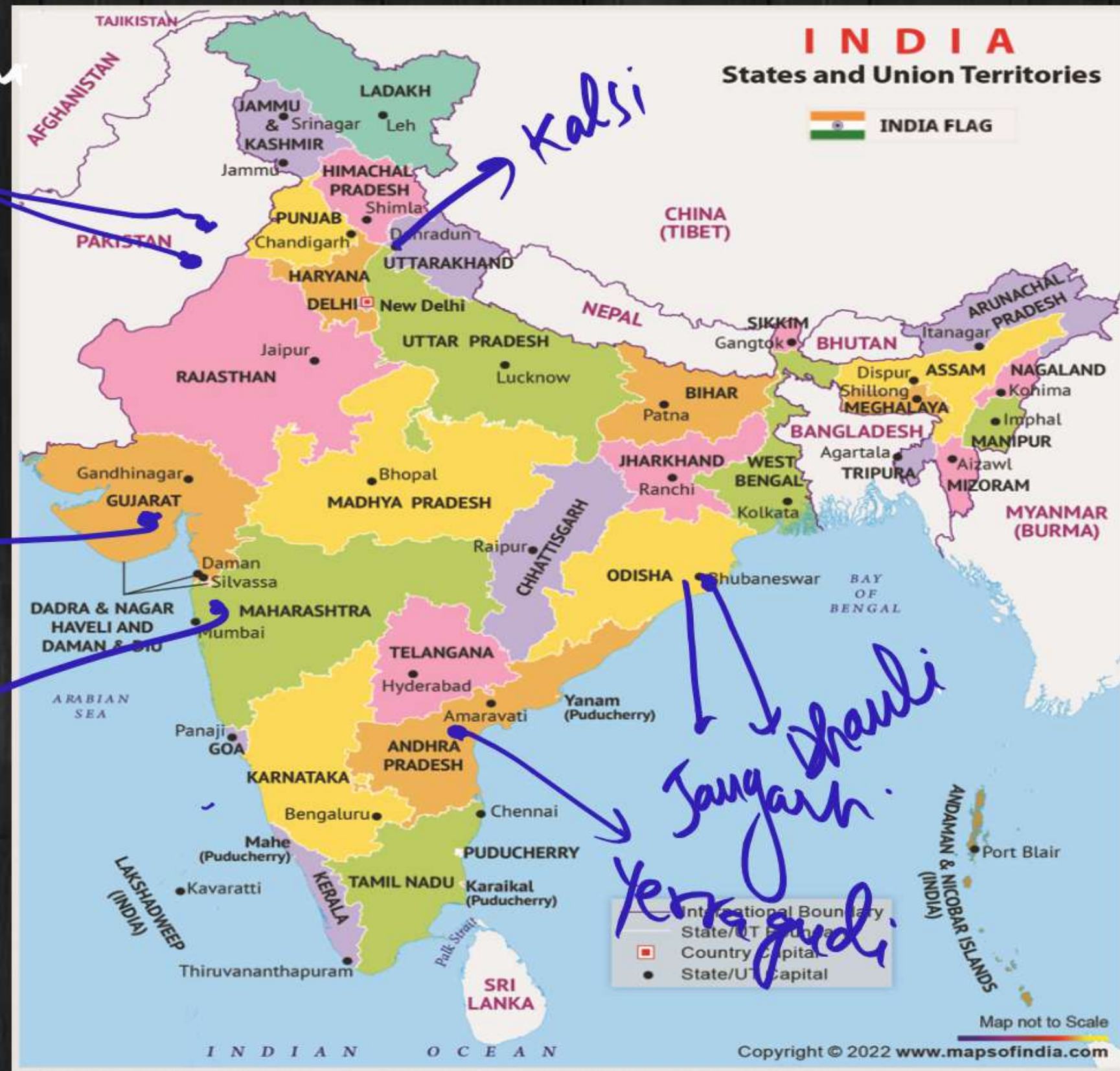
↳ Script :- Brahmi



Shahjgarh  
&  
Manshehra.

Girnar

Sopara.





# ✓ चौदह बृहद् शिलालेख Fourteen big inscriptions



◆ चौदह बृहद् शिलालेखों में कही गई बातें-

Things said in fourteen big inscriptions-

✓ बृहद् शिलालेख I / Great Rock Edict I

- पशु हत्या तथा सामाजिक उत्सव समारोहों पर प्रतिबंध
- राजकीय रसोई में सिर्फ तीन पशु प्रतिदिन मारे जाते हैं दो मोर और एक मृग ।

- Ban on animal slaughter and social festivals
- Only three animals are killed daily in the state kitchen, two peacocks and an antelope.





mp

## बृहद् शिलालेख II / Major Rock Edict II

- साम्राज्य में सब जगह तथा सीमावर्ती राज्यों यथा- चोल, पाड्य, सातियपुत्र, केरलपुत्र, ताम्रपर्ण (श्री लंका), यवनराज एण्टियोक्स और उसके पड़ोसियों के राज्यों में मनुष्यों तथा पशुओं के लिए चिकित्सा का प्रबंध किया। मार्गों में कुएं खुदवाए गये एवं वृक्षारोपण किया गया।
- Arranged medical treatment for humans and animals throughout the empire and in the border states such as Chola, Padya, Satyaputra, Keralaputra, Tamraparna (Sri Lanka), Yavanaraja Antiochus and its neighbors. Wells were dug on the roads and trees were planted.





### बृहद् शिलालेख III /Major Rock Edict III

• साम्राज्य में सभी जगह युक्त, रज्जुक और प्रादेशिक प्रति पाँचवे वर्ष दौरा करें जिससे वह प्रजा को धर्म की एवं अन्य कार्यों की शिक्षा दे सकें। माता-पिता की आज्ञा मानना; मित्रों संबंधियों, ब्राह्मणों और श्रमणों के प्रति उदार भाव रखना; जीव हत्या न करना; थोड़ा ही व्यय और थोड़ा ही संचय को अच्छे गुण बताया गया है।

• Visit all places in the empire, rope and regional per fifth year, so that he can teach religion and other works to the subjects. to obey parents; To be generous towards friends, relatives, Brahmins and Shramans; Do not kill living beings; Spending little and saving little are said to be good qualities





## बृहद् शिलालेख IV /Major Rock Edict IV

- धम्म नीति से सम्बन्धित अत्यन्त महत्त्वपूर्ण विचार
- प्रियदर्शी राजा के धर्मानुशासन से प्राणियों की अहिंसा, जीवों की रक्षा, बंधुओं का आदर, ब्राह्मण और श्रमणों का आदर, माता पिता की सेवा तथा बूढ़ों की सेवा बढ़ गई है।
- Very important thoughts related to Dhamma Policy
- Non-violence to animals, protection of living beings, respect for brothers, respect for Brahmins and Shramans, service to parents and service to elders have increased due to the religious discipline of Priyadarshi King.



9 imp.

## **बृहद शिलालेख V/Great Rock Edict V**

- अभिषेक के तेरह वर्ष बाद धम्म महामात्रों की नियुक्ति का उल्लेख। धम्मनीति के क्रियान्वयन का दायित्व इन्हीं पर था।
- Mention of the appointment of Dhamma Mahamatras after thirteen years of consecration. He was responsible for the implementation of Dhamma policy.





## बृहद् शिलालेख VI /Major Rock Edict VI

- 'हरसमय चाहे मैं भोजन कर रहा हूँ, अतःपुर में, शयनकक्ष में, पशुशाला में, सवारी पर, बाग में सब जगह प्रतिवेदक मुझे प्रजा के बारे में सूचना दे सकते हैं।

- शिलालेख के दूसरे भाग में सजग एवं सक्रिय प्रशासन तथा सुचारू व्यापार का उल्लेख ।

- 'Everytime whether I am eating food, in the Asthapur, in the bedroom, in the cattle shed, on a ride, in the garden, everywhere the reporter can inform me about the subjects.

- Mention of alert and active administration and smooth business in the second part of the inscription.





- 'सारे संसार का कल्याण करना अपना कर्तव्य समझता हूँ।'
- सारे जगत का कल्याण करने से बढ़कर कोई दूसरा कार्य नहीं है और जो कुछ कार्य मैंने किया वह इसलिए कि मैं प्राणियों के प्रति अपना ऋण चुका सकूँ।
- 'I consider it my duty to do good to the whole world.'
- There is no other work greater than doing good to the whole world and whatever work I did was so that I could repay my debt to the living beings.





## बृहद शिलालेख VII /Major Rock Edict VII

- सभी सम्प्रदायों के बीच सहिष्णुता का आह्वान ।
- प्रियदर्शी कामना करते हैं कि सब सम्प्रदायों के लोग सब जगह निवास कर सकें क्योंकि सब संयम और चित्त की शुद्धि चाहते हैं ।
- Call for tolerance among all communities.
- Priyadarshi wishes that people of all sects can live everywhere because everyone wants restraint and purity of mind.



IMP.

## बृहद शिलालेख VIII / Great Rock Edict VIII

- विहारयात्रा के स्थान पर धम्मयात्रायें आयोजित होंगी।
- अभिषेक के दस वर्ष बाद बोधि - वृक्ष की यात्रा की।
- Dhammayatras will be organized in place of Viharayatras.
- Ten years after the consecration, he visited the Bodhi tree.

बोधि गया की यात्रा

✓ 10

12 - निगलवासागर

20 पंचवर्ष - लुम्बिनी





## बृहद शिलालेख IX /Major Rock Edict IX

- मंगलाचार की निरर्थकता पर बल
- 'धम्म' मंगल करने पर बल
- दान देना अच्छा है, लेकिन धम्म दान के समान कोई दान नहीं है।
- Emphasis on the futility of invocation
- Emphasis on doing 'Dhamma' auspicious
- Giving charity is good, but there is no charity like Dhamma charity.





## वृहद् शिलालेख X /Great Inscription X

• यश एवं ख्याति पर ज्यादा महत्व न देते हुए धम्मनीति की श्रेष्ठता पर बल दिया गया है।

• Emphasis has been laid on the superiority of Dhamma policy, without giving much importance to fame and reputation.



## बृहद् शिलालेख XI / Major Rock Edict XI

- ✓ धर्मनीति की व्याख्या की गई
- ✓ दासों और सेवकों के प्रति अच्छा व्यवहार; माता-पिता का सम्मान मित्रों, परिचित संबंधियों, श्रमणों और ब्राह्मणों के प्रति उदारता एवं प्राणियों के प्रति अहिंसा पर बल।

- Dharma policy explained
- good treatment of slaves and servants; Respect for parents, generosity towards friends, acquaintances, relatives, monks and brahmins and emphasis on non-violence towards animals.





## बृहद शिलालेख XII /Great Rock Edict XII

- धर्म की सार- वृद्धि पर जोर अर्थात् मनुष्य को अपने धर्म का आदर और दूसरे धर्म की अकारण निंदा नहीं करनी चाहिए
- धम्ममहामात्रों के साथ स्त्र्यध्यक्षों और ब्रजभूमिकों नामक अधिकारियों का उल्लेख
- Emphasis on the growth of the essence of religion, that is, man should not respect his religion and condemn other religions unnecessarily
- Mention of officials called Stryadhyakshas and Brajbhumikas along with Dhammamahamatras





Imp.

## बृहद शिलालेख XIII/Great Edict XIII

अभिषेक के आठ वर्ष बाद कलिंग पर विजय प्राप्त की जिसमें डेढ़ लाख निर्वासित हुए एवं एक लाख हताहत हुए।

• युद्ध के स्थान पर धम्म द्वारा विजय प्राप्त करने का आह्वान ✓  
• धम्म विजय देवताओं के प्रिय ने अपने राज्य में तथा सभी सीमांत प्रदेशों में छः सौ योजन दूर तक प्राप्त की है, जहाँ युवन राजा अंतियांक एवं चार अन्य-तुरमय, अंतेकिन, मग और अलिकसुंदर तथा दक्षिण में चोल, पांड्य एवं ताम्रपर्णी हैं।

- After eight years of consecration, Kalinga was conquered in which one and a half lakh were exiled and one lakh were casualties.
- Calling for victory through Dhamma instead of war
- Dhamma victory the Beloved of the Gods has achieved in his kingdom and in all the border regions six hundred yojanas far away, where the Yuvan king Antianaka and four others - Turmaya, Antekin, Maga and Aliksundara and in the south the Cholas, Podya and Tamraparni.





• राजा के राज्य में यवनों और कंबोजों, नाभकों और नाभपंक्तियों, भोजो और पितिनिकों, आंध्रों और पुलिन्दों में सब जगह लोग देवताओं के प्रिय के 'धम्म' अनुशासन का पालन करते हैं।

• The Yavanas and Kambojas, Nabhakas and Nabhapanktis, Bhojas and Pitiniks, Andhras and Pulindas in the king's kingdom, everywhere people follow the 'Dhamma' discipline of the Beloved of the Gods.





## बृहद् शिलालेख XIV /Great Edict XIV

• यह धम्मलेख देवताओं के प्रियदर्शी ने लिखवाया है। मेरा राज्य बहुत विस्तृत है इसलिए बहुत से लेख लिखवाये गये हैं और बहुत से बाद में लिखवाये जायेंगे।

• This Dhammalekh has been written by Priyadarshi of the gods. My kingdom is very vast, that's why many articles have been written and many more will be written later.



शिलालेखों में वर्णित विषय-वस्तु -

पहला शिलालेख

- पहले शिलालेख से पता चलता है कि पारम्परिक अवसरों पर पशु बलि पर रोक लगाई गई थी। ✓✓

**Contents described in the inscriptions -**

**First Inscription**

- The first inscriptions show that animal sacrifice was prohibited on traditional occasions.





## दूसरा शिलालेख - Imp

इसमें पशु व मानव चिकित्सा एवं लोक कल्याणकारी कार्यों का उल्लेख था। दूसरे शिलालेख में चोल, पांड्य एवं चेर की चर्चा की गयी है। अशोक के शिलालेखों में दक्षिणी राज्यों के अंतर्गत सातवाहनों का उल्लेख नहीं आया है।

## Second Inscription

There was mention of animal and human medicine and public welfare works. Chola, Pandya and Chera have been discussed in the second inscription. There is no mention of Satavahanas under the southern states in the inscriptions of Ashoka.



### तीसरा शिलालेख

- राजकीय अधिकारियों (युक्त, रज्जुक और प्रादेशिक) को हर पाँचवें वर्ष दौरा करने का आदेश का विवरण। ✓✓

### Third Inscription

- Details of orders to visit Government officials (Yukt, Rajjuk and Territorial) every fifth year.

### चौथा शिलालेख

- धर्माचरण के भेरीनाद द्वारा धम्म का उद्घोष। ✓✓

### Fourth Inscription

- Proclamation of Dhamma through the sound of religious practice.





### पाँचवाँ शिलालेख (Fifth Inscription)

धम्म महामात्रों की नियुक्ति के विषय में जानकारी व मौर्यकालीन समाज एवं वर्णव्यवस्था का उल्लेख। ✓✓

Information about the appointment of Dhamma Mahamatras and mention of the society and caste system of the Maurya period.

### छठा शिलालेख (Sixth Inscription)

आत्मनियंत्रण की शिक्षा व आम जनता किसी भी समय राजा से मिल सकती है।

Education of self-control and common people can meet the king at any time.





**सातवाँ शिलालेख (Seventh Inscription)**

सभी सम्प्रदायों के लिए सहिष्णुता की बात ।

Talk of tolerance for all communities.

**आठवाँ शिलालेख (Eighth Inscription)**

सम्राट की धर्म यात्राओं व बोधगया के भ्रमण का उल्लेख ।

Mention of the emperor's religious travels and visit to Bodhgaya.

**नवाँ शिलालेख (Ninth inscription)**

धम्म समारोह की चर्चा । सच्ची भेंट व शिष्टाचार का उल्लेख ।

Discussion of Dhamma ceremony. Mention of true greetings and etiquette.





### दसवाँ शिलालेख (Tenth Inscription)

इसमें अशोक ने आदेश दिया है कि राजा व उच्च अधिकारी हमेशा प्रजा के हित में सोचें ।

In this, Ashoka has ordered that the king and high officials should always think in the interest of the people.

### ग्यारहवाँ शिलालेख (Eleventh Inscription)

धम्म नीति की व्याख्या ।

Explanation of Dhamma policy.





### **बारहवाँ शिलालेख (Twelfth Inscription)**

सर्वधर्म समभाव (धार्मिक समन्वय) एवं स्त्री महामात्र की चर्चा ।

Discussion of equality of all religions (religious coordination) and equality of women.

### **तेरहवाँ शिलालेख (Thirteenth Inscription)**

कलिंग युद्ध व पड़ोसी राज्यों का वर्णन ।

Description of Kalinga war and neighboring states.





## चौदहवाँ शिलालेख (Fourteenth Inscription)

अशोक ने जनता को धार्मिक जीवन बिताने के लिए प्रेरित किया ।

Ashoka inspired the people to lead a religious life.





# लघु शिलालेख (Minor Rock - Edict)





## लघु शिलालेख (Minor Rock - Edict)

ये अभिलेख कई जगह पाये गये हैं जो इस प्रकार हैं।

These inscriptions have been found in many places which are as follows.

रूपनाथ	- मध्य प्रदेश
* गुजरा	- दतिया मध्य प्रदेश
सहसारांम	- शाहाबाद , बिहार
* वैराट	- जयपुर, राजस्थान
Roopnath	- Madhya Pradesh
Gujarra	- Datia Madhya Pradesh
Sahasaram	- Shahabad, Bihar
Vairat	- Jaipur, Rajasthan





* मास्की	-	रायचूर, कर्नाटक
* ब्रह्मगिरि	-	चित्रलदुर्ग, कर्नाटक
सिद्धपुर	-	चित्रलदुर्ग, कर्नाटक
जतिंग-रामेश्वर	-	चित्रलदुर्ग, कर्नाटक
एरगुडि	-	कर्नूल, आंध्र प्रदेश
Maski	-	Raichur, Karnataka
Brahmagiri	-	Chitraldurg, Karnataka
Siddhapur	-	Chitraldurg, Karnataka
Jating-Rameshwar	-	Chitraldurg, Karnataka
Erragudi	-	Kurnool, Andhra Pradesh

गाविमठ	-	रायचूर, कर्नाटक
पालकीगुंड	-	रायचूर, कर्नाटक
राजुल मंडगिरि	-	कर्नूल, आंध्र प्रदेश
अहरौरा	-	मिर्जापुर, उत्तर प्रदेश
बहापुर	-	श्रीनिवासपुरी, नई दिल्ली
Gavimath	-	Raichur, Karnataka
Palkigund	-	Raichur, Karnataka
Rajul Mandagiri	-	Kurnool, Andhra Pradesh
Ahraura	-	Mirzapur, Uttar Pradesh
Bahapur	-	Srinivasapuri, New Delhi





पानगुडारिया	-	मध्य प्रदेश
सारामारी	-	सिहोर, मध्य प्रदेश
* नेत्तूर	-	बेलारी, कर्नाटक
* उडेगोलम्	-	बेलारी, कर्नाटक
सन्नाती	-	गुलबर्गा, कर्नाटक
Panagudariya	-	Madhya Pradesh
Saramari	-	Sehore, Madhya Pradesh
Nettur	-	Bellary, Karnataka
Udegolam	-	Bellary, Karnataka
Sannati	-	Gulbarga, Karnataka





► लघु शिलालेखों से सम्बन्धित कुछ तथ्य

Some facts related to short inscriptions

• सम्राट अशोक का व्यक्तिगत नाम मास्की गुजर्रा नेत्तूर तथा उडेगोलम् में मिलता है।

Emperor Ashoka's personal name is found in Maski, Gujarra, Nettur and Udegolam.

मास्की	-	'देवानांपियस असोकस'
गुजर्रा	-	'देवानांपियस पियदसिनो असोकराजस'
नेत्तूर	-	'राजा असोको'
उडेगोलम्	-	'राजा असोको देवानंपियो'
Maski	-	'Devanampius Asokas'
Gujarra	-	'Devanampiyas Piyadsino Asokarajas'
Nettur	-	'King Asoko'
Udegolam	-	'King Asoko Devanampiyao'

